आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–16 अक्टूबर 2026 **भोजपुरी समाचार**

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ दौरा के दुसरके दिन्ने आजु भारतीय जनता पारटी के प्रदेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता के सम्बोधित कइलें। येह दौरान उहां के कहलीं कि राजनीतिक बिरोध के नांव पर हिंसा आ अराजकता के बढ़ावा दीहल देसहित के खिलाफ हौ। रक्षा मंत्री हाले के दिनन में हासिल कइल गइल उपलब्धियन क जिकिरि करत कहलें कि देस रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में बढ़ियां प्रगति कइ रहल हौ।

स्वाभाविक है, मान ली हुई बात है कि तमाम शक्तियों को भारत को यह जो उभार आया है, रास नहीं आ रहा होगा। और साथियों, देश को यह समझने की आवश्यकता है, दशकों से चुनाव हार रहे राजनीतिक दल, दशकों से चुनाव हार रहे राजनीतिक दल जाने या अनजाने में आज इन शक्तियों के हाथों में खेलते हुए नजर आ रहे हैं। रिजीम चेंज और रेजिस्टेंस और संसद नहीं, सड़क से ही रास्ता निकलता है, जैसे शब्दों द्वारा आज यह स्पष्ट हो गया है कि दिल्ली में जो कुछ भी हो रहा है, वह संवैधानिक व्यवस्था से नहीं, अराजकता के द्वारा भारत की प्रगति को पटरी से उतारने का एक निंदनीय प्रयास है।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एगो सोसल मीडिया पोस्ट में कहले हवें कि लोकतंत्र में सत्ता क राहि अराजकता से नाहीं बलुक जनादेस से निकरे ला। एगो रिपोर्ट–

मुख्यमंत्री ने कहा है कि बांग्लादेश की तर्ज पर भारत में सत्ता परिवर्तन का स्वप्न देखने वाली शक्तियां युवाओं के हाथों में राष्ट्र निर्माण की मशाल के स्थान पर अराजकता के औजार थमाना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव सुधार का मुखौटा, न्याय का नारा और लोकतंत्र की दुहाई देकर देश में अस्थिरता के बीज बोने वालों को समझना होगा कि भारत का लोकतंत्र जन–विश्वास की जड़ों पर खड़ा विशाल वट वृक्ष है, जिसे षड्यंत्रों के अंधड़ हिला नहीं सकते। श्री योगी ने कहा कि हमारी युवा शक्ति भारत का भविष्य संवारने के लिए है, किसी की सत्ता की भूख मिटाने के लिए नहीं। समाचार कक्ष से प्रेम चन्द्र गुप्ता।

****

सर्वोच्च न्यायालय मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत सज्जो तरह के तलाक बदे समान प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपाई लागू कइले क मांग वाली याचिका पर केन्द्र सरकार आ अउरियो सम्बन्धित पक्षन से जबाब मंगले हवे। नया याचिका में तलाक–ए–हसन आ एकतरफा गैर–न्यायिक तलाक के अउरियो रूपन पर रोकि लगवले क मांग कइल गइल बा।

****

शारदीय नवरातर के छठवां दिन्ने आजु माई दुर्गा के कात्यायनी स्वरूप क आराधना कइल जा रहल बा। येह मौका पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मां कात्यायनी से भक्तन के साहस आ संकल्पन के सिद्ध करे बदे सक्ति दिहले क कामना कइले हवें। शारदीय नवरातर के छठवों दिन्ने प्रदेस के सज्जो प्रमुख शक्तिपीठन आ देवी मंदिरन में भिन्नहिये से सरधालु लाइनि में लागि के माता क पूजा–अर्चना कइ रहल हवें। येह बिच्चे, प्रदेस भर में बनावल दुर्गा पंडालनों में रिवाज के मोताबिक पूजा–पाठ चलि रहल बा। प्रदेस के सज्जो प्रमुख शक्तिपीठन, मंदिरन आ दुर्गा पंडालन में सरधालुअन के सुरक्षा क कड़ेर इंतिजाम कइल गइल हवे।

****

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनसेवा में पचीस बरिस पूरा कइ लिहले हवें। जनसेवा से देस सेवा उनकर येह जतरा क मूल मंत्र रहल हौ। सेवा आ सुसासन के येही नजरिया के साथे सरकार भारत के बरिस दुइ हजार सैंतालीस ले विकसित राष्ट्र बनवले क लक्ष्य हासिल करे बदे लगतारे कार कइ रहलि हौ। आजु येह खास श्रृंखला में हमनी के बताइबि कि देस में लागू भइल तीनि गो नया आपराधिक कानूनन के जरिये लोगिन के सुलभ आ जुरते न्याय मिलले क राहि असान भइल बा।

एक जुलाई 2024 से देश में लागू हुए नए आपराधिक कानून– भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम ने पुरानी न्याय व्यवस्था की जगह ली है। नए कानून समय सीमा के अंदर पीड़ितों को न्याय दिलाने पर केंद्रित हैं। प्रधानमंत्री ने कहा है कि नए कानून जनता का, जनता द्वारा, जनता के लिएकी लोकतांत्रिक भावना को मजबूत करते हैं।

भारतीय न्याय संहिता का मूल मंत्र है सिटीजन फर्स्ट यह कानून नागरिक अधिकारों के प्रोटेक्टर बन रहे हैं। ईज ऑफ जस्टिस का आधार बन रहे हैं।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय में अधिवक्ता विपिन शुक्ला ने नए कानूनों को आम जनमानस के लिए लाभकारी बताते हुए कहा कि इससे न्यायिक प्रक्रिया आसान हुई है।

यह जो नए संशोधित कानून है इसमें आम जनमानस को राहत मिल रही है, जो पुलिस की प्रक्रियाओं में लेट लतीफी थी उसमें भी बहुत ज्यादा सुधार हुआ है।

नए आपराधक कानून नागरिक–केंद्रित, अधिक सुलभ और कुशल न्याय प्रणाली बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। प्रवीण मिश्र आकाशवाणी समाचार प्रयागराज।

****

मौसम विभाग आजु प्रदेस भर में कहीं–कहीं बरखा चाहे गरज–चमकि के साथे बौछार परले क सम्भावना जतवले हौ। विभाग के मोताबिक बिहने से मौसम सुस्क रहले क ढेरे सम्भावना बा।

****